कोरोना काल में शिक्षा | कंडक्ट ऑफ क्लास, 'क्रिएशन ऑफ कंटेंट' और 'कनेक्ट विद स्टूडेंट्स' पर जोर

'थ्री सी मॉडल' की मदद से पूरा करेंगे पाठ्यक्रम

प्रो. आलोक कुमार राय

कोरोना को हराना है

कोरोना महामारी ने लगभग सभी शिक्षण संस्थाओं के शैक्षिक वातावरण के लिए अप्रत्याशित असमंजस उत्पन्न कर दिया है। सबसे बड़ी चुनौती विश्वविद्यालय के लिए पठन-पाठन को सुचारु रूप से संचालित करना था। इस संकट का सफलता से सामना करने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय ने 'थ्री सी मॉडल' का प्रारूप तैयार किया, जिसके अंतर्गत 'कंडक्ट ऑफ क्लास', 'क्रिएशन ऑफ कंटेंट' और 'कनेक्ट विद स्टूडेंट्स' रखे गए।

विश्वविद्यालय ने अपने शिक्षकों एवं छात्रों को मानसिक रूप से ऑनलाइन कक्षाओं के लिए तैयार किया, जिससे पाठ्यक्रम पूरा किया जा सके। साथ ही साथ छात्रों के ज्ञानार्जन में बढ़ोतरी होती रहे। इसके बाद अधिसंख्य शिक्षकों ने अन्य तकनीकी माध्यमों को अपनाकर पढ़ाई संभव की। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शिक्षकों की मदद से वेबसाइट एवं अन्य टेक्नोलॉजी के जरिए ई-कंटेंट को छात्रों तक पहुंचाया। यह सुविधा लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों तक ही नहीं, अन्य संबंद्ध कॉलेजों के लिए भी उपलब्ध हुई। सभी विभागों ने अपना यू-ट्यूब चैनल शुरू किया, जिससे वीडियो लेक्चर्स आसानी से छात्रों को उपलब्ध कराए गए। इसी क्रम में लाइब्रेरी सुविधा को देखते हुए ई-बुक एवं ई-जर्नल्स की पहुंच सुनिश्चित कराई, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों में भी छात्रों को इसकी सुविधा प्राप्त हो सके। वहीं, कनेक्ट विद स्टूडेंट्स' के तहत नई योजनाओं का संचालन किया गया, जिससे छात्र, शिक्षकों से अपनी समस्याओं का निराकरण आसानीपूर्वक कर सकें। इसमें स्टूडेंट ओपीडी, ट्री योजना, कर्मयोगी योजना एवं उद्यमिता योजनाएं शामिल है।

लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्वयं को शिक्षण एवं पठन-पाठन कार्य के लिए पूर्ण रूप से तैयार कर लिया है। कक्षाएं अपने उद्देश्य की प्राप्ति में प्रभावी योगदान कर सकें, इसके लिए लखनऊ विश्वविद्यालय ने नया प्रारूप तैयार किया। फ्लिप क्लास मॉडल के अंतर्गत छात्र घर पर विद्वान अध्यापकों द्वारा तैयार किए गए पठन-पाठन सामग्री से विषय का आधार तैयार कर लें फिर अपने प्रश्नों के लिए विश्वविद्यालय आकर शिक्षकों से संपर्क कर शंका का निदान कर सकेंगे। दूसरा महत्वपूर्ण कदम 'हाइब्रिड क्लास प्रारूप' है, जिसके अंतर्गत शिक्षण कार्य के लिए छात्रों को ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों की सुविधा प्रदान की गई है। इससे कुछ छात्र कक्षा में व कुछ छात्र ऑनलाइन एक ही समय में एक ही कक्षा के सहभागी हो सकते हैं। इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विश्वविद्यालय ने 'स्लेट' नाम से अपना लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम बनाया, जिसे विश्वविद्यालय के उपरोक्त 'थ्री सी' मॉडल को एकीकृत रूप में देखा जा सकता है और इसी के माध्यम से हम बच्चों को बहुत बेहतर माहौल देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

(लेखक लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति हैं।)